सेना के लिए एसएएफ बना रही ड्रोन माउंटेड गन सिस्टम, ट्रायल शुरू

■ सुहेल खान

- गुजरात में सेना की टीम के साथ गन माउंट का ट्रायल हुआ शुरू
- ऑर्डिनेंस में तैयार हो रहा 40 और 12.7 एमएम गन सिस्टम

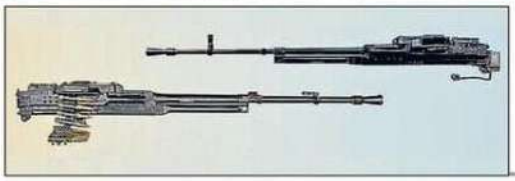

कानपुर। भारत सहित कई देशों में जंग के दौरान एयर डिफेंस और ड्रोन की उपयोगिता को देखते हुए इसे और विकसित करने की रणनीति तैयार हो रही है। सेना द्वारा ड्रोन के इस्तेमाल पर जोर और उसकी जरूरतों को पूरा करने वाले संस्थान और आयुध निर्माणियां भी ड्रोन संचालित उपकरणों और हथियारों को विकसित कर रही हैं।

कानपुर की स्माल आर्म्स फैक्ट्री (एसएएफ) ने ड्रोन माउंटेड गन सिस्टम के प्रोटोटाइप से ट्रायल भी शुरू कर दिया है। सेना की टीम संग ड्रोन में हथियारों को माउंट कर उसके कंट्रोल का ट्रायल गुजरात में चल रहा है। इसके बाद फायरिंग का ट्रायल होगा। सफलता के बाद ड्रोन माउंटेड एयर डिफेंस सिस्टम सेना की ताकत बढ़ाएगा। रक्षा मंत्रालय की डिफेंस सेक्टर की कानपुर स्थित कंपनी एडब्ल्यूईआईएल के अधीन आने वाली आयुध निर्माणियों में विकसित 40 एमएम और 12.7 एमएम कैलीबर की एयर डिफेंस गन का प्रयोग ड्रोन माउंटेड एयर डिफेंस गन सिस्टम में होगा।

इस सिस्टम की फायरिंग से दुश्मनों के ड्रोन, मिसाइल और हेलीकॉप्टर हवा में ही नष्ट हो जाएंगे। वर्तमान परिदृश्य में लड़ी जा रहीं लड़ाइयों के मद्देनजर एसएएफ ने स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत मिशन के तहत काम करना शुरू कर दिया है। अभी ड्रोन में गन को माउंट कर (इंस्टॉल कर) उसको संचालित और नियंत्रित करने का ट्रायल हो रहा है। गुजरात में सेना की टीम के साथ एसएएफ की टीम ट्रायल कर रही है। कंट्रोलिंग ट्रायल के बाद फायरिंग ट्रायल किया जाएगा। अलग-अलग परिस्थितियों में ट्रायल और टेस्ट के बाद बड़े स्तर पर उत्पादन शुरू करने की प्रबंधन की तैयारियां हैं।

एयर डिफेंस गन सिस्टम की खासियत

एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड के कानपुर स्थित मुख्यालय के अधीन आने वाली ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियों में एडवांस गन सिस्टम तैयार किए जा रहे हैं। एक तकनीक से चार घंटे तक 12 किमी की रेंज में 300 राउंड प्रति सेकेंड फायर किया जा सकेगा। इसके अलावा अवेल के पास डीआरडीओ की प्रयोगशाला एआरडीई की 12.7 एमएम कैलिबर डिजाइन को बनाने की तकनीक भी है। इससे हवा में 1500 मीटर और जमीन पर 2000 मीटर तक 800 राउंड प्रति मिनट फायरिंग करने में सक्षम है।

> सेना के साथ ड्रोन से एयर डिफेंस गन सिस्टम के विकसित प्रोटोटाइप की माउंटिंग का ट्रायल हो रहा है। इसके बाद फायरिंग का ट्रायल होगा। ट्रायल सफल होने के बाद आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी मिशन के तहत यह बड़ा कदम होगा। एसएएफ और अन्य आयुध निर्माणियां इस दिशा में लगातार काम कर रही हैं। - **सुरेंद्रपति,** महाप्रबंधक स्माल आर्म्स फैक्ट्री